भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1966 का उत्तर

लातूर रेलवे स्टेशन का विकास

1966. श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरेः

श्री देवजी एम. पटेलः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने रेलवे स्टेशनों, विशेषकर महाराष्ट्र के लातूर जिले और जालोर रेलवे स्टेशन के विकास के लिए पेयजल सुविधा, यात्रियों के लिए शेड, सूचना बोर्ड, महिलाओं के लिए अलग शौचालयों का निर्माण, वातानुकूलित प्रतीक्षालय और होटल सहित विभिन्न अवसंरचना विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए कोई योजना तैयार की है;

(ख) ऐसे रेलवे स्टेशनों की संख्या कितनी है, जिनके लिए उक्त योजनाएं तैयार की गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस संबंध में कितना बजट प्रदान किया गया है;

(घ) क्या आदर्श रेलवे स्टेशन के रूप में लातूर और जालोर रेलवे स्टेशनों हेतु अवसंरचना तैयार करने के लिए कोई योजना तैयार की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) आदर्श रेलवे स्टेशन के रूप में जालोर रेलवे स्टेशन हेतु अवसंरचना तैयार करने में देरी के क्या कारण हैं; और

(च) विगत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए कुल कितना बजट आवंटित किया गया है और विशेषकर लातूर जिले के रेलवे स्टेशन और जालोर रेलवे स्टेशनों पर इस संबंध में कुल कितनी राशि व्यय की गई है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

sk

लातूर रेलवे स्टेशन के विकास के संबंध में 03.07.2019 को लोक सभा में श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे और श्री देवजी एम॰ पटेल के अतारांकित प्रश्न सं. 1966 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): यात्री सुविधाओं पर व्यापक अनुदेशों में यथा निर्दिष्ट, स्टेशन की कोटि के आधार पर, और रेल मंत्रालय द्वारा जारी न्यूनतम अनिवार्य सुविधाओं के लिए मानदंडों को सभी स्टेशनों पर सुनिश्चित किया जाता है। लंबित/चालू परियोजनाओं की समीक्षा एक सतत प्रक्रिया है जिसे परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के लिए परियोजनाओं को प्रभावित करने वाली बाधाओं और उनकी रोकथाम का आकलन करने हेतु संबंधित अधिकारियों के साथ किया जाता है। परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने के लिए, धन के आवंटन में वृद्धि जैसे विचार-विमर्श कार्यों को गति देने के लिए कई पहलकदमियां की जाती हैं। कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए कार्यों की प्रगति की मंडल स्तर के साथ-साथ मुख्यालय स्तर पर भी निगरानी की जाती है।

रेलवे स्टेशनों पर सभी यात्री सुविधाओं के लिए कार्य सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'यात्री सुविधाओं' के अंतर्गत वित्त-पोषित किया जाते हैं। विगत तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान भारतीय रेल पर इस योजना शीर्ष-53 के लिए बजटीय स्रोतों के अंतर्गत आबंटित निधि का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

वर्ष	आबंटन
2016-17	917.82 करोड़ रु.
2017-18	1470.84 करोड़ रु.
2018-19	1657.86 करोड़ रु.

(घ) से (च): लातूर स्टेशन एक 'एनएसजी-4' और जालोर एक एनएसजी -5 कोटि का स्टेशन है, जो प्रतिदिन औसतन क्रमशः 2174 और 722 यात्रियों को संभालता है। दोनों स्टेशन आदर्श स्टेशन योजना के तहत विकसित किए गए हैं। इसके अलावा, रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं में सुधार / विस्तार एक सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं।

'आदर्श' स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के विकास के लिए किए गए व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है न कि राज्य-वार। लातूर और जालोर रेलवे स्टेशन क्रमशः मध्य और उत्तर पश्चिम रेलवे में आते हैं। पिछले तीन वर्षों यानी 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के

दौरान मध्य और उत्तर पश्चिम रेलवे में इस योजना शीर्ष-53 के लिए बजटीय स्रोतों के तहत आवंटित धन का विवरण निम्नानुसार है:-

(आंकड़े करोड़ रु. में)

ज़ोन	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**
मध्य रेलवे	**72.88**	**161.89**	**237.42**
उत्तर पश्चिम रेलवे	**55.97**	**68.63**	**118.62**

*****

sk